RAN-18011303010 20001

RAN-1801130301020001

M.A. (Sem. I) Examination November - 2023

Hindi (Paper-II) Core course-2

Indian Poetics and Literary Criticism

भारतीय काव्यशास्त्र एवम् साहित्यालोचन

Time: 2 Hours] **[Total Marks: 50**

સૂચના : / Instructions

(૧) **નીચે દર્શાવેલ ☛ નિશાનીવાળી વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.**
Fill up strictly the details of ☛ signs on your answer book

Name of the Examination:

☛ **M.A. (Sem. I)**

Name of the Subject :

☛ **Hindi (Paper-II) Core course-2 Indian Poetics and Literary Criticism**
भारतीय काव्यशास्त्र एवम् साहित्यालोचन

Subject Code No.: **1801130301020001**

Seat No.:

Student's Signature

प्रश्न. १ निम्नलिखित वैकल्पिक प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए। १०

(१) आचार्य भरतमुनि की कौन-सी कृति में 'रस' का प्रथम उल्लेख मिलता है?

(A) साहित्य दर्पण (B) काव्यप्रकाश

(C) नाट्यशास्त्र (D) रसमीमांसा

(२) 'रति' किस रस का स्थायी भाव है?

(A) हास्य (B) श्रृंगार

(C) करूण (D) वीर

(३) 'रीति सिद्धांत' के स्थापक हैं.....

(A) आचार्य वामन (B) आचार्य भामह

(C) आचार्य कुन्तक (D) क्षेमेन्द्र

(४) 'वक्रोक्ति जीवितम्' ग्रंथ के रचनाकार कौन है?

(A) आचार्य दण्डी (B) आचार्य कुन्तक

(C) अभिनव गुप्त (D) आचार्य वामन

(५) ध्वनि सिद्धांत के अनुसार काव्य की आत्मा क्या है?

(A) अर्थ (B) अलंकार

(C) रस (D) ध्वनि

(६) काव्य रचना संबंधी विधि-विधान को क्या कहते है?

(A) कविशिक्षा (B) काव्य हेतु

(C) काव्य लक्षण (D) काव्य प्रयोजन

(७) रस के अवयव कितने हैं?

(A) चार (B) आठ

(C) सात (D) तीन

(८) 'ध्वनि सिद्धांत' की स्थापना किसने की है?

(A) अभिनव गुप्त (B) कुन्तक

(C) आनंदवर्धन (D) क्षेमेन्द्र

प्रश्न. २ रस का स्वरुप स्पष्ट करते हुए रस के अवयवों पर प्रकाश डालिए। **१३**

अथवा

प्रश्न. २ अलंकार की समुचित परिभाषा देते हुए काव्य में अलंकार का महत्त्व स्पष्ट कीजिए। **१३**

प्रश्न. ३ 'रीति' की अवधारणा स्पष्ट करते हुए, 'रीतिसिद्धांत' की प्रमुख स्थापनाओं की चर्चा कीजिए। **१३**

अथवा

प्रश्न. ३ **निम्नलिखित काव्य की व्यावहारिक समीक्षा कीजिए।** **१३**

''बीती विभावरी, जाग री
अम्बर पनघट में डुबो रही
तारा-घट उषा नागरी।
खग कुल-कुल-कुल सा बोल रहा,
किसलय का अंचल डोल रहा,
लो, यह लतिका भी भर लाई
मधु, मुकुल नवल रस-गागरी।
अधरों में राग अमंद पिये
अलकों में मलयज बंद किये
तू अब तक सोयी है आली।
। आँखो में भरे विहाग री।''

प्रश्न. ४ किन्हीं दो पर टिप्पणीयाँ लिखिए। **१४**

(१) ध्वनि का स्वरुप।

(२) ध्वनि संप्रदाय की देन।

(३) 'औचित्य सिद्धांत' का महत्त्व।

(४) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी।